TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. P_MSS_4433

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥२॥ दोहा॥ जो प्रभु जोतिमय जगतिमय कारन करन अभेव विघनहरन सब सुखकरन नमो नमो शतदि
देव॥१॥ एक ही विभु अनेक के जगमगात जगधाम जिम किंचन तें किंकिनी कंकन कुंडल नो
म॥२॥ उक्त रसक तन संक्रतया समुझन असमरथ तिनहित नंदसुमित यथा कहैं नाम अनेका
र्थ॥३॥ गौ नाम॥ गौ इंद्रीय दिव बाक जज स्वर्ग विजुर्षग बदि गौ घर गौ लरु गौ गौ किरन गौ पालक
गोविंद॥४॥ सुरभी नाम॥ सुरभी चंदन सुरभी मृग सुरभी बकुल वसंत सुरभी चारु तकन सुनै जो
जो गाक रुनाकंत॥५॥ मधु नाम॥ मधु वसंत मधु चैत्र न त्रा मधु मदिरा मरकंरंद मधु जल मधुपयम
धु सुधा मधु सुदिन गोविंद॥६॥ कलिनाम॥ कलि नि कलेस कलि सुरमा कलि नदी गामे धाम कलि
कलियुग लहां न वरन हि केवलि केसवनाम॥७॥ आतमा नाम॥ मन बुद्धि चित्त सुभाव तन धरम जीव
आदेकारय सबप्रकटी आतमा पर आतमा श्री धर॥८॥ धनंजय नाम॥ अंगन धिनं जय कहत क विय
न धनंजय अहि॥ अरजुन बलसो धनंजय किसिरन सारथी जादि॥९॥ अरजुन नाम॥ अरजुन कुमख
रजुन तैं धवल सदसी अरजुन पुन चय आ अरजुन मधाम पांडु सुत हरि षलै जहि सथ॥१०॥ पत्र नाम
पत्रायरण आपत्र रथ वाहन पत्र कुसुचित पत्र पंख वधि नहि दिपै अरुन मिलत मित्र॥११॥ पत्री नाम
पत्री तरु पत्री कमल पत्री बकुर विहंग पत्री सुरकर तित्र जिमि पुनसे बकु श्रीरंग॥१२॥ वरहीनाम
अविरही प्रभ विरही अगनि विरही कुरकुट नाम विरही मार कि सार तैं लखत धरे सिर स्याम॥१३॥ 1
घाम नाम॥ घाम तेज थै घाम तन घाम करन गृह घाम धाम जोति जो लसै धनी नृत्य रस्याम॥१४॥

कामनाम॥कामसोगअसिलाषपुनिमनमनकहीयेकाम।कामकाजजिनतूलमनमजेहरिअ
भिराम॥१५॥वामनाम॥वामऊटउजोवामसिववामकामकरवामववामनादरकऊकहतजे
सेमादनस्याम॥१६॥लवनाम॥लवसंकरसंसारलवलवकहीयेकलांपलवऊजनमभागव
तेमस।मजायेजवभगवान॥१७॥कंनाम॥कंसुषकंजलकंअनलकं सिरकंपुनकाम
कंकंचनसोप्रीतजस।असिकरदेहरिनाम॥१८॥खनाम॥खंनमखंयदखंनषनखंरंध्र
कोनामखंइंद्रियउषदतदेदयकरिकेहरिस्याम॥१९॥कलनाम॥कल्पविधिदिवकल्प
-धी- समकल्पसमऊदेहकल्पकपुटतजिहरुजप।कल्पवृक्षसमसोइ॥२०॥करनाम॥कर
गऊमुषकरदेसकर।करिकिरनकहिदोनकरिविषजमपतजिविषजमऊहरिअभी
समन॥२१॥दरनाम॥दरऊकहतकविसेषकोदरहषदकोनामदरकतेरापाऊ
वरगिरधरसुंदरस्याम॥२२॥वरनाम॥वरसुंदरवरश्रेष्टपुनिवरऊदेवतादितव
रहूलरसैकानितअजतियहियहरिनित॥२३॥वृषनाम॥वृषसुरपतिवृषकर
नपुनिवृषऊवृषमवृषकोमवृषऊधरमकरिहरिजोजोजो हेरसुधाम॥२४॥प
तंगनाम॥तरणपतंगपतंगषगपावकबऊरपतंकाममबजगरंगपतंगकोहरिपवैनव
दलनाम २९ रंग॥२५॥दलकहयेनृपकोकटकदलपत्रनकोनामदलनरहीकेचंदसर।धरेस्या
म अतिरंग॥२६॥पलनामपल आमषकुकहतहैषटुसमपलसोइ।पलऊ १

यलकहरविचपरेवीतेमतऊगसोइ॥२७॥वलनामवरलवीरऊधीरजलऊरवलनम
दलकोनामवलसारसवलदतपुनवालकहीयेवलजसम॥२८॥अलनाम॥अलअसी
र्थसमर्थअलिअलपुरनकोनामअलआनरणअलअलसुतिजनजमनमोहन
स्याम॥२९॥वयनाम॥वयविहंगकुकहतकविवियकहीयेपुनिकालवयजुवीरीहीन
मजातदेनजलेमदनगोपाल॥३०॥जीतनाम॥जीतवृहस्पतिकोकहतजीवकहावेचींउ
जीवअलानितजीतेजीवकेजीवनंदनंदु॥३१॥मारनाम॥मारमृत्यकविषमारपु
निमारकहावेकाममारअमृतहीतेअमृतसुंदरगिरधरनाम॥३२॥सरनाम॥सर
वारऊधीरऊधरसुसारवऊघृतसारसरसवनिकोसारोमहरिमनोसंसार॥३३॥ कलनाम
कलकनकहतकरसालकोकलऊरनआलकलंककलुषकलकलतेकाढेअ
रूपरूपाल॥३४॥मेननाममनसअआयनलनाम्रपदनसआवनकोमासनजम
आकसनसनकठहीयेंघरघटरामनिवास॥३५॥वसुनाम॥अष्टअमरवसुवन्हिव
सुवसुकरनवसुवीर।वसुधनजगमैसोधनीधनुजाकेवलवीर॥३६॥पटनाम
पटूनीमनकोकहतपटूआरोरूकहतपटप्रवीनजोजगतमैरमेऊरकमनिके
ति॥३७॥उरंगऊनाम॥उरंगमकउरंगमनिवऊरिउरंगउरंग।हिरनऊरंगऊरंगसाईरंपा
नहिरकोरंग॥३८॥आत्मजनाम॥आत्मजकहीयरूधरअरूआत्मजकहीयेकामआत्मज
पुत्रसपुत्रसोजेऊसुंदरस्याम॥३९॥कबंधनाम॥विनसरकहतकबंधहैकबंधपुननार 2

गज सर्पि कबध दै दीनी गति रघुवीर ॥४०॥ हंसनाम हंस तुरंगम हंस रवि हंस समय जलचंद हंस
जीव कुकहत कवि परम हंस गोविंद ।४१॥ नेया घनधर नाम । मेघ अरु कुच सैल भुमि नृपय
धर आदि । भूधर गिर भूधर नृपति भूधर आदि वाराह ॥४२॥ बाननाम । बानक हावि बलतनय ।
विसम आदि पुनबान । कबानक हत कवि विस्वगुकि । श्री हरमदनि तनि ॥४३॥ वरून नाम नर कहु
हत कवि नीरको वरून सोम को नाम वरन नर रंजिन वंदत वके से धायैसाम ॥४४॥ गोत्रनाम
[illegible] गोत्र नाम कु कुल कवि गिरि सम जलमुनी रति गोत्र नसमा धमल हां । गोविंद गुनीय ता
॥४५॥ तनु नाम । तनु सरीर विस्तार तनु । तनु सूषम तनु तात । तनु विरमो कोउ जागमे जाजाने न
हरि बात ॥४६॥ बालनाम बाल सिरोरूह बाल ससु मुकक हावि बाल अरु सोइ जे गतमेजु
नहै नबाल गोपाल ॥४७॥ जालनाम जाल झरोषा । जलगन आलदेन अरु मदी जाल
नगर विधा जजगन निरष चूल निजनंद ॥४८॥ कालनाम काल अमत याको नवयध
मेराज फुन काल काल भातको काल हरि मोद नमद नगोपाल ॥४९॥ तालनाम ताल ना
म ताल ताल हरि ताल पुन रिछ अरु काफुन ताल ताल सुहद फुन ● माहू महू हलो
नंद को लाल ॥५०॥ व्यालनाम व्याल कुरन ● व्याल जरा ● सुरहो नसु व्याल व्याल
सर्प सिर चिढ चले तरवरनषु नंद लाल ॥५१॥ जलजनाम जलजनमीन मोती उतेस
जलज जसम ० अरूचंद जलज ज मजहि फरावैत ब्रज आवत नंद नंद ॥५२॥ तमनाम २

तमनाम न्ययु नराक तन तमकुतम रतम को धुतम अज्ञान को दउक हरि नरधर दीपप्रबोध ॥५३॥
गुननाम । गुन राज गुन सुत्र फुनि गुन कुंअंड की जेर गुनचरित्र गोविंद के गावो दायेन
रनेद ॥५४॥ अविनाम अविपवित अविमेषपुनि अविसवि ताको नाम अविर हस विज
गत के प्रके सुंदर साम ॥५५॥ वनि नाम वन वनी को कहत कवि । वनित रहद को जालवनि
कनिन तै सुरनि संग वनि आवत नंद लाल ॥५६॥ घननाम ॥ घन दिढ घन विस्तार
पुनि घन जिर गाढत लदार । घन अंबुद घन घेस अरु चिद घनं वदकुमार ॥५७॥ व
रननाम वरन अस्तुत अक्षर वरन वरन द्विजादिक चार असन असूनस तपतिहै ।
अवरन यु कमुरारि ॥५८॥ पीतनाम पातहाविनपटस सुपीत पत्र कुअनूप पात
नावजमनजधमिध रूहनामसु मरूप ॥५९॥ बुद्धनाम । बुध पंडत को कहत है
बुध ससि सुनवषानि बुध हरंको अवतार हरिक ॥६०॥ अनंतनाम गगन अनंत को
कहत है कवि । बऊर अनंत अनेक सम अनंत कहत बुध । श्री हरि अनंत हरिप
क ॥६१॥ ब्यनाम ॥ ब्यनिवास को कहत कवि । ब्य कहीय ब्यरोग । ब्यप अज
यमध हरि विष । जीन है तस वरोग ॥६२॥ राजीव नाम ॥ राजीव ससि राजीव स 3

लिलराजीवसुराजीजीव राजीवनाभिगोविंदकी जिहंगिवुधसेम्रानलीन॥६३॥लोकनां
म॥लोक लोक नर लोकजननोकदेषैंहरसमूलतीन लोक सुतन दर दिषरसौंहाजि
मामतलूल।६४।सुक्रनांमसुक्रवीर्यसुक्रअग्निसुक्रनसुक्र जेष्ट कोमसुक्र
आजरू आमैन दि षीति वलिहितनरूतनमासा।६५॥षगनांमषगरविषगसोंम
षगपवनषगअंबुद षग देवविहंसुनरूजति तजिन्हउसेवरमेव।६६॥कला
पनाम॥गुनक लापतु निरपुनि अभिरनिग्रारकलापवरहिचंदकलापपुनि रंगिनज
नकरक लाप।६७।ब्रह्मनाम।ब्रह्मब्रह्मकुलब्रह्मवधिब्रह्मवेदवअसूजीव।
ब्रह्मब्रह्मनदकेसदनमेना।तरिनचावलनीव।६८।नडपनाम नडविहंगनडन
षगतैसीतगणनडकेवलोकआरूनडपचंदनाकोनडपनडपगुरडवरवाह।६९
मंदनांममंद सनीस्वरमंदषत मंद अल्पमधिमंद मंदमूढनिरतेजय जेनजैे
तनेद।७०वारननाम वारनकरीकटोचरनको वारनपुनिसनाह वारनगज
हरिनपस्यौ आनिमदानिवगाह॥७१॥स्यंदनांमस्यंदनजकिकोदतस्यंदन
विकिजरंगस्यंदनरूपाजिहरूकमनीतेआवेश्रीरंग॥७२॥पंथीनांम॥पंथी
मोसपंथीमदन।पंथीग्रादपछंन पंथीनकुस्यारादुकवेओरूरिकीयवननामा॥७३ २

कोसिकनांम॥कोसिकगुगलइंद्रपुनि कोसिकउलूनाम कोसिकविश्वामित्र जनच्यारिरघुवररांम॥७४
पुहकरनामपुकरजलपुहकरगगनपुहकरसुभगयंदपुहकरतीरथपापहरपुहकरनेनगोविंद
॥७५॥अंबरनांमअंबरआधवतकोकहत अंबरगगनसुभाइ अंबरपोतसुसामतन।तजनुल
डरहीजुभाय॥७६॥संवरनाम॥संवरजलसंवरअसुरकापरलेमआनूप।संवरवाधोगाविंदि
रूपनांमसुपरूप॥७७॥कवचनाम॥कवचगातलनकहतकेवलजलपरवारूकवच
धेनुसरावतेओढिजुजगकेनाह॥७८॥नगनांम॥कहीयद्रुमनगइतननगकहीं
येपुनिधांमनगा।रजातिकान कोनगरनगधरनांम॥७९॥नागपत्रयोनागगजनाग
दुष्टनरवामनागसर्पसंसारकहत।सिंघ मित्रहरि नांम॥८०॥कर्णनांम॥कर्णकिसोव
रवितनयकर्णकहतपुनिकांन कर्णनांम जिहिषिद्यकर्णधारजगवांन॥८१॥
दिजनांमादिजपंषीकोकोकहतकविदिजकहि येपुनिकांत तीवनरौं बर्णि
दिजनचलिजनजानि जगवंत॥८२॥अजनांम॥अजवकराअजपनामह
अजकहीयेपुनिहू सेअजजोवनजरनरकहत।अजअजकेजगदास॥८३
सिवनांमसिवसुषसिवकल्यानपुनिश्रेष्टपुरषपुनहोयसिवसीकरसिवसि
जलयाकहुसिवसिबसाय॥८४॥विरच्यननाम॥विनिवरंचिनमूर्षपुनिचंच
विरच्यनगातवत्सबिरचिन धनसीष्ट जाकेवलसीजात॥८५॥वलिनीमव 4

लिजदरीवलि गरी वलिसोजंनवलिजागवलिराजा की जांगवलि जादियदरिअनुरा
ग॥८६॥ वक्रनाम वक्रपावक कुकदतकवि वक्रनदंडदा कोनांमवक्र दीनवद
नसवराषिसुंदरस्यांम॥८७॥राजनांमरजराजस आदरूरजरजऊ वतमिदा
दरूरजधूलीरजपापकढू दूरनमजिलखीहू॥८८॥कुसनांमकुसमसातासुत
दर्भसुत कुसकदीरीसुनिनीर कुसदानवदमधारकातदावसेवलवार
॥८९॥कंबुसंषयो कंबुगाज कंबुदूष्टकोनांमकुवनागनयोसवनजजवि
चुवनराहूकस्यांम॥९०॥कूटनांम कूटबकूतयो कूटगिरदरिनकूट
कदंतकूटकपटकोनयजोहि नजतेभनजबावत॥९१॥षरनांमषरराष
समरसीनषरषरतीक्षनकोनांमषरगर्दभसमतेजगातजेननजाहिदरिस्यांम
॥९२॥कुजनांम कुजभंगलकुजअनमुम कुजनोमासुरनांम समाप्त